"स्वीकृति की कला" पर कार्यशाला"

विधि कार्य विभाग ने 1 मई 2025 को दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक मंत्रालय के द्वितीय तल स्थित सम्मेलन कक्ष में **"स्वीकृति की कला"** नामक कार्यशाला का आयोजन किया। इस सत्र का संचालन ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ी एक प्रसिद्ध वक्ता और गुणी बहन **बीके विधात्री** ने किया, जो भावनात्मक लचीलापन और आंतरिक शांति की ओर व्यक्तियों का मार्गदर्शन करने में अपनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाती हैं।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से रोज़मर्रा की ज़िंदगी में स्वीकृति विकसित करने के लिए व्यावहारिक उपाय और अंतर्दृष्टि प्रदान करना था। सत्र में स्वीकृति की अवधारणा को खासकर चुनौतियों, तनाव और पारस्परिक मतभेदों से निपटने में एक ताकत के रूप में समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया। आत्म-जागरूकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शीघ्रतापूर्ण कार्य वातावरण में मानसिक स्पष्टता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया।

कार्यशाला में निर्देशित चिंतन, वास्तविक जीवन के उदाहरण और संवादात्मक चर्चाएँ शामिल थीं, जिससे उपस्थित लोगों को विषय वस्तु से गहराई से जुड़ने का मौका मिला। इसने प्रतिभागियों को सकारात्मक मानसिकता अपनाने और शांति तथा स्पष्टता के साथ बदलाव को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

विभाग की **उप सचिव श्रीमती प्रतिभा आहूजा** के साथ-साथ **विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी** उपस्थित थे , जिनमें से सभी ने चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और कार्यशाला से प्राप्त मूल्यवान जानकारी की सराहना की। सत्र को अच्छी प्रतिक्रिया मिली और इसने कार्यस्थल खुशहाली और व्यक्तिगत विकास पर विभाग की चल रही पहलों में सार्थक योगदान दिया।